

ख़बर संक्षेप

छोट राम कॉलेज में ऑरिएंटेशन प्रोग्राम

सांपला। सर छोटे राम राजकीय महिला महाविद्यालय नव-नार्मांकित एनएसएस स्वयंसेवकों के स्वागत एवं मार्गदर्शन , एनएसएस ऑरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। अधिकारी डॉ. प्रीति कुमारी एवं मोनिका के समन्वय से किया गया। स्वयंसेवकों को शिविर में स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, पर्यावरण जागरूकता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सड़क सुरक्षा, मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण एवं सामुदायिक जागरूकता जैसी गतिविधियों के बारे में बताया गया।

गांधारा में कल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रोहतक। गांधारा में 12 सितंबर को आंख, हड्डी रोग और मेडिसिन से संबंधित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। शनिवार को असलान पाना, बदले की कोठी में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगाने वाले शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों की जांच करेंगे। शिविर में आंखों, हड्डियों और सामान्य स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की जांच की जाएगी। इसके अलावा बीपी और शुगर की जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

11.32 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

रोहतक। नशे के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस को उस समय सफलता मिली जब मुखबिर की सूचना पर टीम ने जेपी कॉलोनी की एक गली में दबिश देकर एक युवक को काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार युवक नशा बेचने के लिए हेरोइन लेकर खड़ा था। तलाशी के दौरान उसकी जींस की जेब से काले रंग की पॉलीथिन में 11.32 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीला पदार्थ और मोबाइल फोन कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

सांपला में खंड स्तरीय प्रतियोगिता, छात्रों ने दिखाई कानूनी समझ और हुनर

सांपला। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरुवार को खंड स्तरीय कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सांपला खंड के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने कानूनी शिक्षा एवं जागरूकता से संबंधित 18 विषयों पर आधारित 10 विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक रही। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में कानूनी साक्षरता का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी आरती चहल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों ने कानूनी के प्रति समझ, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

विजय प्रतियोगिता में पी एम श्री स्कूल सांपला से अर्चना एवं आंचल पाकर पॉइंट प्रोजेक्शन में मॉडल संस्कृति स्कूल सांपला से हर्षिका डोंवरूमेट्टी फिल्म में मॉडल संस्कृति स्कूल सांपला से रानी स्लोगन लेखन मॉडल संस्कृति स्कूल सांपला से राखी वाद-विवाद प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दलीप से रितिका एवं योगिताअनं-दर्र्पोट पेंटिंग में रवि प्रस्ताव लेखन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांधारा से पलक, कविता पान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंधरा से मिट्टी, भाषण प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंधरा से हिमांशी, नाटक में मॉडल संस्कृति स्कूल सांपला की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



प्रदूषण साल 2021 में पराली जलाने की 6,987 घटनाएं हुईं, 2025 में सिर्फ 662 मामले दर्ज

सीएक्यूएम का दावा, 5 साल में हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं 91% घटीं, अब लक्ष्य शून्य

हरिभूमि न्यूज>>>रोहतक

हरियाणा में धान की पराली जलाने की घटनाओं में पांच साल में 91 प्रतिशत कमी आने का दावा सीएक्यूएम ने किया है। आयोग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में प्रदेश में पराली जलाने की 6,987 घटनाएं दर्ज हुई थीं। वर्ष 2025 में इनकी संख्या घटकर 662 रह गई। आंकड़ों में लगातार कमी के बावजूद आयोग ने अब लक्ष्य घटनाओं को शून्य तक लाने

का रखा है। इसके लिए 2026 की कार्ययोजना में पराली का खेत में ही प्रबंधन, दूसरे कामों में उपयोग, फसल विविधीकरण, निगरानी और कार्रवाई को साथ लेकर चलने की व्यवस्था की गई है। सीएक्यूएम के अनुसार वर्ष 2022 में हरियाणा में पराली जलाने की 3,661 घटनाएं दर्ज हुई थीं। वर्ष 2023 में यह संख्या 2,303, 2024 में 1,406 और 2025 में 662 रह गई। इस तरह 2021 के मुकाबले 2025 में 6,325 घटनाएं कम दर्ज हुईं। आयोग ने 2025 की

घटनाओं को 2024 के मुकाबले 53 प्रतिशत, 2023 के मुकाबले 71 प्रतिशत, 2022 के मुकाबले 81 प्रतिशत और 2021 के मुकाबले 91 प्रतिशत कम बताया है। हालांकि, ये आंकड़े सीएक्यूएम की निगरानी व्यवस्था में दर्ज आग की घटनाओं के हैं। इसलिए इन्हें प्रदेश में जली पराली की वास्तविक मात्रा में 91 प्रतिशत कमी के बराबर नहीं माना जा सकता। आंकड़े केवल दर्ज की गई आग की घटनाओं में कमी दिखाते हैं।

नई कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए

सीएक्यूएम ने मई 2026 में धान की पराली जलाने की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नई कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए। इसमें एनसीआर से जुड़े राज्यों में धान की पराली जलाने की घटनाओं को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है। हरियाणा में इसके लिए खेत स्तर पर पराली प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों की उपलब्धता, किसानों को वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए जागरूक करने और पराली के खेत से बाहर उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। फसल विविधीकरण और धान की सीधी बुवाई को भी पराली की समस्या कम करने के उपायों में शामिल किया गया है।

ईट-भट्टों में 30 प्रतिशत पराली आधारित ईंधन

पराली को खेतों में जलाने के बजाय उसका इस्तेमाल बढ़ाने के लिए हरियाणा के गैर-एनसीआर जिलों के ईट-भट्टों पर भी लक्ष्य रखा गया है। सीएक्यूएम के निर्देश के अनुसार वहां धान की पराली से खने जैव ईंधन के इस्तेमाल का हिस्सा 1 नवंबर 2025 से कम से कम 20 प्रतिशत रखा गया। इसे 1 नवंबर 2026 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत, 2027 में 40 प्रतिशत और 2028 में 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। इससे पराली के लिए खेत के बाहर एक और उपयोग का रास्ता तैयार किया जा रहा है।

युवाओं व छात्राओं को कौशल विकास, स्वरोजगार, स्टार्टअप, इनोवेशन, माइक्रो एंटरप्राइज और भविष्य की तकनीकों में उपलब्ध अवसरों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज>>>रोहतक

हरियाणा के युवाओं को कौशल, रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू की गई हरियाणा युवा उद्यमी यात्रा-2026 गुरुवार को रोहतक पहुंची। यात्रा के तहत राजकीय पॉलिटेक्निक सांघी, एमडीयू रोहतक, राजकीय महिला महाविद्यालय रोहतक, वैश्य तकनीकी संस्थान और लाखनमाजरा में युवाओं व छात्राओं को कौशल विकास, स्वरोजगार, स्टार्टअप, इनोवेशन, माइक्रो एंटरप्राइज और भविष्य की तकनीकों में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जांब सीकर से जांब क्रिएटर बनाना है। अभियान के तहत सरकार का प्रयास है कि रोजगार और उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी युवाओं को उनके ही जिले और शिक्षण संस्थानों तक उपलब्ध कराई जाए। युवाओं की रुचि के अनुसार उनका पंजीकरण कर उन्हें आगे कौशल प्रशिक्षण, करियर काउंसलिंग, वित्तीय सहायता, बैंक लिंकेज, उद्यम स्थापना, इनक्यूबेशन और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की योजना है।



भविष्य की तकनीकों में प्रशिक्षण पर जोर

यात्रा के दौरान युवाओं को ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर एवं ग्रीन एनर्जी, डिजिटल टेक्नोलॉजी, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुसार युवाओं को भविष्य के रोजगार के लिए तैयार करना अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सीएम से मिलकर की थी धांधली की जांच करवाने की मांग

भाजपा पार्षदों समेत 7 बैठे धरने पर, जड़े गंभीर आरोप

महम नगर पालिका को बताया भ्रष्टाचार का अड़ु

■ भाजपा समर्थित पार्षदों ने कहा, महम नगर में नहीं हो रही उनकी सुनवाई

हरिभूमि न्यूज>>>महम

महम नगर पालिका कार्यालय में गुरुवार को शहर के 7 पार्षद धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने नपा प्रशासन के खिलाफ नाराजगी की। नगर पालिका सचिव धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने नाराज पार्षदों से कहा कि वे यहां पर शोर न करें, क्योंकि शोर शराबे से नगर पालिका कार्यालय का काम प्रभावित हो रहा है। उसके बाद पार्षदों ने शांतिपूर्ण धरना शुरू किया। धरने में वार्ड एक की पार्षद कमल ढाका, वार्ड दो से पार्षद मोनू जोगड़ा, वार्ड 3 से पार्षद रेणू बाल्मीकि, वार्ड 11 से पार्षद



महम। सुनवाई न होने से नाराज पार्षद नगर पालिका कार्यालय में धरना देते हुए।

ईश्वर सिंह, वार्ड 13 से पार्षद रेनू पुनिया, वार्ड 14 से पार्षद विकास श्योराण और मनोनित पार्षद मीना बाल्मीकि शामिल हुए। इनमें एमसी विकास श्योराण और मनोनित पार्षद मीना बाल्मीकि भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। भाजपा समर्थित पार्षदों ने भी कहा कि उनकी नगर पालिका में विकास कार्यों को लेकर

कोई सुनवाई नहीं हो रही। किसी भी विकास कार्य के लिए नगर पालिका प्रधान भारती पंवार को कहा जाता है तो वे अपने ससुर फतेह सिंह का नाम ले देती हैं। कहती हैं कि पापा को ही पता है, क्या करना है। पार्षदों ने सभाी टेंडरों और विकास कार्यों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। शहर में 15 चयनित पार्षद है, जबकि

मैं एम कॉम हूं, अपने फैसले खुद लेती हूं : भारती

नगर पालिका प्रधान भारती पंवार ने कहा कि उसकी शैक्षणिक योग्यता एम कॉम है। वह खुद नगर पालिका की मीटिंग की अध्यक्षता करती है। विभिन्न सरकारी व सामाजिक बैठकों में वह खुद जाती है। पढ़ी लिखी होने के कारण वह अपने फैसले खुद लेने में सक्षम है। उसका तीन महीने का बच्चा है। इसलिए वह पहले जितना समय अब नगर पालिका में नहीं दे पाई है। लेकिन जब भी कार्यालय में आती है तो शहर के लोगों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करवाती है। सभी पार्षदों की बात को गंभीरता से सुनती हैं। धरना देने वाले पार्षद जो आरोप लगा रहे हैं, वे सभी आरोप निराधार हैं।

नगर पालिका कार्यालय में बिचौलियों का तंत्र तोड़ा जाए

धरनारत पार्षदों ने कहा कि नगर पालिका कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। बिचौलियों और दलालों के तंत्र को तोड़ा जाए। साथ ही ऐसे व्यक्तियों को पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। नगर पालिका कार्यालय के सभी अफसरों का महम से दूसरी जगह तबादला किया जाए। नगर पालिका सचिव, एमई, जेई, डिस्ट्रिक्ट इंस्पेक्टर, एकाउंटेंट, सेनेट्री इंस्पेक्टर, कर्मचारी आशेष और तीर्थ को जांच के दायरे में लाया जाए। उससे पहले इन सबका ट्रान्सफर होना चाहिए।

वे मनोनित पार्षद हैं। कुल 17 पार्षद प्रधान व नगर पालिका प्रशासन के हैं से 7 पार्षदों ने नगर पालिका खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

न्यूज डायरी



पुराने और निर्धारित मानकों पर खरे न उतरने वाले वाहनों पर होगी सख्ती

रोहतक। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए रोहतक पुलिस ने पुराने और निर्धारित उत्सर्जन मानकों के अनुरूप नहीं आने वाले वाहनों के खिलाफ सख्ती की तैयारी की है। एसपी गौरव राजपुरोहित ने वाहन चालकों से अपने वाहनों की आयु, ईंधन श्रेणी, बीएस मानक, प्रदूषण प्रमाण-पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुराने वाहनों के संचालन और उत्सर्जन मानकों को लेकर दिशा-निर्देश लागू हैं। 10 वर्ष से अधिक पुराने डीजल और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। इसके अलावा विभिन्न श्रेणी के वाहनों के संबंध में सरकार और संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर जारी प्रतिबंधों एवं दिशा-निर्देशों का भी पालन करना होगा। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत वाहन सड़कों पर चलते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



रोहतक। जिला मुख्यालय, सांपला और महम में समाधान शिविरों में लोगों की विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी गईं। वीरवार को जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय के सभागार में उपमंडलाधीश आशीष कुमार, प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह दूल और पुलिस उपाधीक्षक दलीप सिंह ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के निपटारे के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सांपला और महम में भी संबंधित उपमंडलाधीशों की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित किए गए। इस अवसर पर सांपला मार्केट कमेटी के चेयरमैन उदयमान मलिक, सतीश चौधरी और डॉ. अंकुश बिहू भी मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों के समय से पहले प्रबंध करें : मुख्य सचिव



रोहतक। सेवा संकल्प अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभाग समय से पहले सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। वीरवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों के साथ अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह निर्देश दिए। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से सेवा रंग मॉड्यूल के तहत प्रत्येक अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी और गतिविधियों का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त प्रशिक्षु विशाल सिंह, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नमिता सिंह, नगराधीश शुभम, डीडीपीओ राजपाल चहल, सविल संजय जी, कमला वर्मा, डॉ. हिपल, तहसीलदार यशपाल शर्मा, रवि कुमार, दिनेश कुमार, उपा जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता चहल, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. ईशा सोनी और जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

600 रुपये गन्ना भाव को लेकर महम के बाद रोहतक मिल में गरजे किसान, सहकारिता मंत्री से मिलेंगे

रोहतक। गन्ने का भाव बढ़ाकर 600 रुपये प्रति विंटल करने की मांग को लेकर महम के बाद रोहतक श्रुंगर मिल में भी किसानों ने आवाज बुलंद की। बुधवार को माली आनंदपुर शुगर मिल परिसर में अखिल भारतीय किसान सभा और भारतीय किसान यूनियन के संयुक्त नेतृत्व में गन्ना किसानों की पंचायत हुई। पंचायत के बाद किसानों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम केन मैनजर यशपाल के माध्यम से झण्डा सौंपा। इस दौरान किसानों ने काम करने और प्रमुख जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करने का अवसर मिला। गुप्ता बुधवार शाम यहां हरियाणा यूनियन ऑफ वॉकंग जर्नलिस्ट्स की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सचिन गुप्ता ने कहा कि रोहतक में उपायुक्त के रूप में मेरी पहली पोस्टिंग थी और मुझे यहां के लोगों का भरपूर सहयोग मिला। लोग न केवल अपनी समस्याएं सीधे मेरे सन्धान में लाते थे, बल्कि प्रशासन के कामकाज को लेकर उनकी स्तर का महत्वपूर्ण फीडबैक भी साझा करते थे। यूनियन के अध्यक्ष मनमोहन कश्यप ने गुप्ता का स्वागत करते हुए कहा कि रोहतक के उपायुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वह लोगों के लिए हमेशा सहज उपलब्ध रहे और जनसमस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने गंभीरता से प्रयास किए। यूनियन के कोषाध्यक्ष लोकेश जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नैटवर्कटोर्गनाइजर डॉ. मनोज गोयल तथा उद्योगपति राजेंद्र बंसल, सुशील गुप्ता, विजय तायल और नरेश गोयल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुप्ता ने रोहतक कार्यकाल को किया याद, कहा- जन फीडबैक से समस्याओं के समाधान में मिली मदद

रोहतक। अंबाला के उपायुक्त सचिन गुप्ता, जो इससे पहले रोहतक के उपायुक्त रह चुके हैं, ने कहा कि जिले में करीब एक वर्ष का उनका कार्यकाल करने लिए बेहद अनुभव पूर्ण रहा। इस दौरान उन्हें लोगों के साथ काम करने से काम करने और प्रमुख जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करने का अवसर मिला। गुप्ता बुधवार शाम यहां हरियाणा यूनियन ऑफ वॉकंग जर्नलिस्ट्स की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सचिन गुप्ता ने कहा कि रोहतक में उपायुक्त के रूप में मेरी पहली पोस्टिंग थी और मुझे यहां के लोगों का भरपूर सहयोग मिला। लोग न केवल अपनी समस्याएं सीधे मेरे सन्धान में लाते थे, बल्कि प्रशासन के कामकाज को लेकर उनकी स्तर का महत्वपूर्ण फीडबैक भी साझा करते थे। यूनियन के अध्यक्ष मनमोहन कश्यप ने गुप्ता का स्वागत करते हुए कहा कि रोहतक के उपायुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वह लोगों के लिए हमेशा सहज उपलब्ध रहे और जनसमस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने गंभीरता से प्रयास किए। यूनियन के कोषाध्यक्ष लोकेश जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नैटवर्कटोर्गनाइजर डॉ. मनोज गोयल तथा उद्योगपति राजेंद्र बंसल, सुशील गुप्ता, विजय तायल और नरेश गोयल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्रीमद्भगवद्गीता जीवन में संतुलन का मार्गदर्शन देने वाला जीवन दर्शन

■ एमडीयू के राधाकृष्णन सभागार में हुआ गीता संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

विद्यार्थी अतीत और भविष्य की चिंता में अपनी ऊर्जा न गंवाएं, बल्कि वर्तमान के कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करें। अच्छा आचरण, कर्म और पुरुषार्थ जीवन को सही दिशा देते हैं। वीरवार को एमडीयू के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित गीता संवाद में गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें ऊर्जावान, विवेकशील और मानवीय बनने की प्रेरणा दी। एमडीयू के छात्र कल्याण विभाग एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानानंद ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल आध्यात्मिक ज्ञान का ग्रंथ नहीं, बल्कि कर्म, कर्तव्य, आत्मसंयम, विवेक और जीवन में संतुलन का मार्गदर्शन देने वाला जीवन-दर्शन है। विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई, करियर और भविष्य को लेकर बढ़ते दबाव के बीच गीता का ज्ञान कठिन परिस्थितियों में सही मार्ग चुनने में मदद करता है।



रोहतक। कार्यक्रम में शोधार्थी व विद्यार्थियों को सम्मानित करते गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज।

फोटो : हरिभूमि

व्यक्ति को पुरुषार्थ की ओर ले जाता है कर्मयोग

ज्ञानानंद ने कर्मयोग, भक्तियोग और ज्ञानयोग की व्यावहारिक व्याख्या करते हुए कहा कि कर्मयोग व्यक्ति को पुरुषार्थ की ओर ले जाता है, भक्तियोग मन को मजबूत और आत्मविश्वासी बनाता है, जबकि ज्ञानयोग बुद्धि और विवेक को जागृत करता है। उन्होंने कहा कि औवरर्थिकिंग अतीत और भविष्य को लेकर होती है, जबकि जीवन वर्तमान में है। इसलिए अपनी ऊर्जा वर्तमान के कर्तव्यों से जोड़ें। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, बड़ों की सेवा करने और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने के तीन संकल्प दिलाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि अच्छे विचारों, विवेक, आत्मविश्वास और मानवीय संवेदनाओं से युक्त व्यक्तित्व का निर्माण करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीता और जीवन से जुड़े सवाल भी पूछे, जिनके जवाब उन्होंने सहज संवाद के माध्यम से दिए।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

चिकित्सक एवं प्रेरक वक्ता डॉ. मार्कंडेय आहुजा ने कहा कि गीता व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है और विचारों को सकारात्मक बनाने में मदद करती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि अच्छे विचारों, विवेक, आत्मविश्वास का निर्माण करना है।भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र के निदेशक प्रो. सुरेंद्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया। कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. रवि प्रभात ने किया। कार्यक्रम में पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणदीप राणा, कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल, डीन कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. राजेश पुनिया, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग, खेल निदेशक कुलताज सिंह सहित डीन, विमानाध्यक्ष, शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

सेक्टर-1 का जलघर बढहाल, लंबे समय से नहीं हुई सफाई
ये क्या पी रहे सेक्टरवासी?
जलघर में उगी जलखुंभी व झाड़ियां, भरी पड़ी गंदगी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

शहरवासियों को साफ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन एचएसवीपी सेक्टर-1 स्थित जलघर की तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। जलघर परिसर में पानी के बीच झाड़ियां, घास और तरह-तरह की वनस्पतियां उग आई हैं। लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण जलघर की हालत लगातार बदतर होती जा रही है। आसपास के लोगों का आरोप है कि जिस जलघर से लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जाता है, उसी की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार विभाग गंभीर नहीं है। समाजसेवी व उद्योगपति अनिल भाटिया ने



कहा कि जलघर में पानी के बीच उगी झाड़ियों और जमा गंदगी को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां नियमित सफाई और रखरखाव किस स्तर पर हो रहा है। लोगों का कहना है कि पानी को लंबे समय तक इसी तरह छोड़ देने से उसमें गंदगी और जैविक कचरा जमा होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जलघर से सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता की निगरानी आखिर किस स्तर पर की जा रही है।

एक बार नहीं, कई बार उठ चुका है मुद्दा

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जलघर की सफाई का मुद्दा नया नहीं है। पूर्व पार्षद समेत कई लोग अधिकारियों के सामने कई बार समस्या उठा चुके हैं। अधिकारियों से जलघर की सफाई कराने की मांग भी की गई, लेकिन अभी तक स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद यदि जलघर की सफाई नहीं होती तो इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं।

लोग परेशान, घरों में आ रहा बढबूदार पानी

पूर्व पार्षद कदम सिंह अहलावत ने बताया कि जलघर में जगह-जगह उगी झाड़ियां और घास न केवल परिसर की बढहाली को दर्शा रही है, बल्कि पानी की स्वच्छता को लेकर भी लोगों की चिंता बढा रही है। लोगों का कहना है कि पेयजल से जुड़े परिसर में नियमित सफाई सबसे पढली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके बावजूद यहां सफाई व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है। घरों में बढबूदार पानी पहुंच रहा है।

अधिकारियों की निगरानी पर भी सवाल

स्थानीय लोगों ने कहा कि जलघर जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था की नियमित जांच और सफाई अधिकारियों की जिम्मेदारी है। यदि विभागीय अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण करें तो ऐसी स्थिति पैदा ही न हो। लोगों ने मांग की है कि जलघर की तत्काल सफाई कराई जाए, पानी की गुणवत्ता की जांच की जाए और भविष्य में नियमित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सोनीपत ने जीता कबड्डी खिताब, सांची दूसरे और छोटू राम पॉलिटेक्निक तीसरे स्थान पर

रोहतक। इंटर पॉलिटेक्निक कबड्डी टूर्नामेंट में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक सोनीपत की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक सांची की टीम दूसरे और मेजबान छोटू राम पॉलिटेक्निक, रोहतक की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में हरियाणा के 20 पॉलिटेक्निक संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। छोटू राम पॉलिटेक्निक के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने कबड्डी के मुकाबलों में दमखम दिखाया। फाइनल मुकाबला गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक सांची और गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक सोनीपत के बीच हुआ, जिसमें सोनीपत की टीम विजेता रही। मेजबान टीम ने तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक

■ खेल विद्यार्थियों में अनुशासन व टीम भावना को विकसित करने में निभाता है विशेष भूमिका : सहरावत

जीता। तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा के एडिशनल डायरेक्टर इंजीनियर अनिल सहरावत ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छोटू राम पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. सितेंद्र पावड़िया ने मुख्य अतिथि, प्रतिभागी टीमों और उनके साथ आए स्टाफ का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि खेल मैदान विद्यार्थियों को अनुशासन, धैर्य, टीमवर्क और नेतृत्व का व्यावहारिक अनुभव देता है। टूर्नामेंट का समापन जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने किया। उनके साथ उप प्रधान धर्मागर, जोगेन्द्र सिंधु और इंजीनियर रोहताश सांगवान मौजूद रहे। संस्था प्रधान ने विजेता और प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कैप्टन आलोक कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने मुख्य अतिथि को एक्कोर्ट किया। दिनेश नांदल, कृष्ण कुमार बिसला, डॉ. सुखबीर सिंह किन्हा, मनीषा हुड्डा, आशिमा, बिजेंद्र हुड्डा, विकास नरवाल, दलबीर सिंह सहित कॉलेज के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को आत्महत्या की रोकथाम में भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया

रोहतक। पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को समाज में आत्महत्या की रोकथाम के लिए अपना योगदान देने की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान ने विभाग की ओर से आयोजित गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को इन्हमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मंच संचालन करते हुए डॉ. अमिता मलिक ने विद्यार्थियों को गतिविधियों की जानकारी दी और माइंडफुलनेस गतिविधि करवाई। विमानाध्यक्ष डॉ. किनेश सिंह ने विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के महत्व के बारे में बताया। डॉ. मीनाक्षी दलाल ने विद्यार्थियों को आत्महत्या की रोकथाम में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।



दो एजेंसियां बंदर पकड़ने में जुटीं, फिर भी लोगों को नहीं मिल रही राहत

पांच-छह लोग बंदरों के हमले में घायल होकर पहुंचे नगर निगम, सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶रोहतक

संजय कॉलोनी में बंदरों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। नगर निगम की ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए दो एजेंसियों को लगाया गया है और शहर के अलग-अलग इलाकों से बंदर पकड़े भी जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कॉलोनी में लोगों को इनसे राहत नहीं मिल पा रही। आए दिन बंदरों के झुंड लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं और हमले की घटनाओं से लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। वीरवार को संजय कॉलोनी के कई लोग अपनी समस्या लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। शिकायत



रोहतक। बंदरों की समस्याएं के लिए मेयर से मिलने आए संजय कॉलोनी के लोग।

लेकर पहुंचे लोगों में पांच से छह ऐसे लोग भी शामिल थे, जिन्हें बंदर काट चुके हैं। लोगों ने अधिकारियों को अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि कॉलोनी में बंदरों की संख्या लगातार परेशानी बढ़ा रही है। घरों से बाहर निकलने से लेकर गलियों में आने-जाने तक लोगों को सतर्क रहना पड़ रहा है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को लेकर परिवारों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदर पकड़ने से लिए अभियान चलने के बावजूद समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। कई स्थानों पर बंदरों के झुंड घूमते रहते हैं और मौका मिलते ही लोगों पर झपट पड़ते हैं।

युवा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए अच्छे संस्कारों को जीवन में अपनाएं : स्वामी ज्ञानानंद

रोहतक। वैश्य एजुकेशन सोसायटी, रोहतक के तत्वावधान में आज वैश्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के महाराजा अगसेन सभागार में “दिव्य गीता सत्संग” का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के पावन सान्निध्य में विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान, जीवन मूल्यों एवं सकारात्मक सोच का संदेश प्राप्त हुआ। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने ज्ञानवर्धक प्रवचन में विद्यार्थियों को कर्तव्य, अनुशासन, आत्मविश्वास, परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय है। यदि युवा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए अच्छे संस्कारों और गीता के संदेश को जीवन में अपनाएं, तो वे न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर वैश्य एजुकेशन सोसायटी के प्रधान विकास गोयल, उप-प्रधान अनिल कुमार बिन्दल, कोषाध्यक्ष पवन मित्तल सुरकिया, सह-सचिव अगिल बंसल, राहुल जैन गांधरवाल सदस्य गवर्निंगबाडी, पूर्व महापौर मनमोहन गोयल, पूर्व महासचिव दीपक गोयल, कालिजियम सदस्य, विजय गुप्ता, विपिन गोयल सहित संस्था के पदाधिकारी, शिक्षक एवम बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



गुरु मेहर सिंह अखाड़े के दो पहलवानों ने राज्यस्तरीय कुश्ती में जीता गोल्ड

■ प्राशित अहलावत अंडर-15 एशिया चैंपियनशिप में जीत चुका है गोल्ड

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रोहतक

खरखौदा में 8 से 10 सितंबर तक आयोजित अंडर-19 राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में रोहतक के गुरु मेहर सिंह अखाड़ा के दो पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। कोच सोनू सिंह ने बताया कि बोहर निवासी प्राशित अहलावत ने 87 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। प्राशित पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा चुका है। उसने 2024 में आयोजित अंडर-15 एशिया चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि 2023-2024 में वह नेशनल स्वर्ण पदक विजेता रहा है। वहीं, हांसी के बांस गांव निवासी अनमोल ने 77 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। अनमोल गुरु मेहर सिंह अखाड़ा में अभ्यास करता है और वर्तमान में बांस गांव में 12वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा है। उसने फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कोच ने बताया कि दोनों



रोहतक। अनमोल व प्राशित अपने कोच सोनू सिंह के साथ।

फोटो : हरिभूमि

पहलवानों ने प्रतियोगिता के दौरान तकनीक, ताकत और आत्मविश्वास का बेहतर तालमेल दिखाया। अखाड़े में नियमित अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का लाभ उन्हें प्रतियोगिता में मिला। दोनों खिलाड़ियों की जीत से अखाड़े के अन्य पहलवानों में भी उत्साह बढ़ा है। प्रशिक्षकों ने कहा कि मेहनत और अनुशासन के बल पर खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। अनमोल और प्राशित पढ़ाई के साथ कुश्ती में बेहतर प्रदर्शन कर रहे अनमोल की इस उपलब्धि से परिवार और गांव में भी खुशी का माहौल है।दोनों पहलवानों की इस उपलब्धि पर सीनियर कोच रणबीर सिंह ढाका, सीनियर कोच रवि अहलावत, कोच जयवीर हुड्डा, कोच हरदीप सिंह रोज, कोच सोनू कुमार, कोच रिकू राठी, अखाड़ा संचालक मोहित मलिक व समस्त गुरु मेहर सिंह अखाड़ा टीम ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



महारानी किशोरी जाट कन्या कॉलेज में छात्राओं ने दिया आत्महत्या रोकथाम का संदेश

रोहतक। महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गुरुवार को हुई प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्राओं ने पोस्टरों के माध्यम से आत्महत्या की सोच रहे व्यक्ति को पहचानने, उसे संभालने और उसकी जान बचाने का संदेश दिया। प्राचार्या डॉ. रश्मि लोहचब ने छात्राओं को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। नीलम कटारिया ने छात्राओं के पोस्टरों की सराहना करते हुए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने छात्राओं को आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रेखा, सरिता फोगाट, सरिता छिक्कारा, ज्योति बडवाल, डॉ. सीमा दहिया, दिव्यांशी जून और दिशा मौजूद रहीं।

डॉ. विद्यासागर ब्लॉक मनोरोग विभाग की ओपीडी में बनाया हेल्प डेस्क



रोहतक। आत्महत्या जैसी गंभीर समस्या पर चुपचाप सेटीं ने बताया कि दिवस की शुरुआत डॉक्टर विद्यासागर ब्लॉक में मनोरोग विभाग की ओपीडी में हेल्प डेस्क सह जागरूकता गतिविधि से हुई। इस डेस्क के माध्यम से ओपीडी में आए सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को आत्महत्या की रोकथाम, तनाव प्रबंधन और समय पर मनोचिकित्सक से संपर्क करने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने लोगों को समझाया कि परेशानी को पहचानना, उसे सुनना और सही समय पर सही जगह मदद के लिए पहुंचना ही सबसे बड़ी रोकथाम है।

ऑफ मेंटल हेल्थ की निदेशक कम सीईओ डॉ सुजाता सेठी ने बताया कि दिवस की शुरुआत डॉक्टर विद्यासागर ब्लॉक में मनोरोग विभाग की ओपीडी में हेल्प डेस्क सह जागरूकता गतिविधि से हुई। इस डेस्क के माध्यम से ओपीडी में आए सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को आत्महत्या की रोकथाम, तनाव प्रबंधन और समय पर मनोचिकित्सक से संपर्क करने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने लोगों को समझाया कि परेशानी को पहचानना, उसे सुनना और सही समय पर सही जगह मदद के लिए पहुंचना ही सबसे बड़ी रोकथाम है।

एक्शन मोड में डीसी : विभागों से पूछा बताएं 12 साल में क्या किया

हरिभूमि न्यूज►►रोहतक

अब जिले में पिछले 12 वर्षों में हुए विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का हर विभाग से हिसाब लिया जाएगा। डीसी ने सभी संबंधित विभागों से अपने रिपोर्ट और डाटाबेस के आधार पर प्रमुख विकास कार्यों तथा योजनाओं के लाभार्थियों का पूरा ब्योरा मांगा है। विभागों को कार्यों का नाम, स्थान, संबंधित विभाग और उसकी मौजूदा स्थिति समेत आवश्यक जानकारी देनी होगी। सभी विभागों से जानकारी मिलने के बाद जिला स्तर पर



टोटल ब्योरा तैयार कर सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी। विभागों को केवल यह बताना नहीं होगा कि 12 वर्षों में कौन-कौन से काम करवाए गए, बल्कि उनकी वर्तमान स्थिति भी दर्ज करनी होगी। इससे पूरे हो चुके, निर्माणाधीन और लंबित कार्यों की स्थिति स्पष्ट होगी। लंबे समय से अटके कार्यों भी रिपोर्ट में सामने आएंगे। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, पेयजल, बिजली समेत अन्य विभागों के प्रमुख कार्यों का ब्योरा जुटाया जाएगा।

हर विभाग को देना होगा विकास, रिकॉर्ड व डाटाबेस का हिसाब लंबित परियोजनाओं और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा के लिए भी आधार तैयार होगा

12 वर्षों के विकास कार्यों का विभागवार रिकॉर्ड तैयार होगा

उडीसी की ओर से मांगी गई जानकारी में कार्यों का नाम और स्थान के साथ उसकी वर्तमान स्थिति शामिल है। इससे किसी परियोजना के केवल स्वीकृत या शुरू होने की जानकारी के बजाय उसके पूरा होने की स्थिति भी सामने आएगी। जो कार्यों प्रगति पर हैं या किसी कारण से लंबित हैं, उनका अलग विवरण उपलब्ध होगा। 12 वर्षों के दौरान अलग-अलग विभागों में हुए विकास कार्यों का रिकॉर्ड एक प्रारूप में आने से जिला प्रशासन के पास विभागवार और क्षेत्रवार जानकारी उपलब्ध होगी। इससे लंबित परियोजनाओं और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा के लिए भी आधार तैयार होगा।

सरकारी योजनाओं से लाभ पाने वालों का आंकड़ा होगा तैयार

विकास कार्यों के साथ सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों का आंकड़ा भी तैयार किया जाएगा। विभागों को उपलब्ध रिकॉर्ड और डाटाबेस के आधार पर योजनावार लाभार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पता चलेगा कि पिछले 12 वर्षों में जिले में अलग-अलग सरकारी योजनाओं का कितने लोगों को लाभ मिला। लाभार्थियों का यह रिकॉर्ड भी समेकित ब्योरे में शामिल किया जाएगा। इससे योजनाओं की पहुंच और लाभार्थियों की संख्या की समीक्षा के लिए प्रशासन के पास आधारभूत आंकड़ा उपलब्ध रहेगा।

लंबे समय से लंबित कार्य भी समीक्षा के दायरे में आएंगे

12 साल का रिकॉर्ड जुटाने का महत्वपूर्ण पहलू विभागों की जवाबदेही से जुड़ा है। सभी विभागों की जानकारी एक जगह आने के बाद विकास कार्यों की प्रगति और योजनाओं के लाभ की समीक्षा के लिए प्रशासन के पास विस्तृत डाटा होगा। यदि किसी कार्य को पूरा बताया गया है, लेकिन रिकॉर्ड की जांच में उसकी स्थिति अलग मिलती है, तो संबंधित विभाग से स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। इसी तरह लंबे समय से लंबित कार्यों की समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। रिपोर्ट तैयार होने के बाद सरकार को स्तर पर भी विभागवार उपलब्धियों और लंबित कार्यों की समीक्षा की जा सकती है। रिकॉर्ड में सामने आने वाली कमियों के आधार पर संबंधित विभाग से जवाब लेने या आगे की कार्रवाई का निर्णय सक्षम स्तर पर हो सकता है।

पिछले 8 महीने में डायल-112 पर आई कॉल में हुआ बड़ा खुलासा

अपराध की राजधानी बना रोहतक

112 पर रोज आ रही 40 शिकायतें

नीरज वर्मा►►रोहतक

एक फोन की घंटी... दूसरी तरफ घबराई हुई आवाज और महज कुछ मिनटों में घटनास्थल की ओर दौड़ती पुलिस। कई मामलों में यही एक कॉल अपराध की पहली कड़ी बनी और पुलिस को आरोपी तक पहुंचाने का रास्ता खोल दिया। रोहतक में पिछले आठ महीने के डायल-112 के आंकड़े बताते हैं कि आपात स्थिति में किया गया फोन किस तरह पुलिस कार्रवाई का अहम माध्यम बन रहा है। इस अवधि में डायल-112 पर करीब 9800 कॉल पहुंचीं। इनमें से 5600 कॉल अपराध से संबंधित पाई गई, इनमें मारपीट, चोरी, झगड़ा, धमकी, सड़क दुर्घटना सहित विभिन्न प्रकार की घटनाओं की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार इन कॉल के आधार पर 5200 मामलों में एफआईआर दर्ज हुई, वहीं करीब 9700 मामलों में पुलिस मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए आरोपियों तक पहुंची।



5200 मामलों में दर्ज हुई एफआईआर

डायल-112 पर मिली हर सूचना का परिणाम एफआईआर होना जरूरी नहीं होता। कुछ सूचनाएं मौके पर ही विवाद सुलझने, आपसी सहमति, गैर-संज्ञेय प्रकृति या अन्य कारणों से एफआईआर में तब्दील नहीं होती। इसके बावजूद आंकड़ों के अनुसार 5200 मामलों में एफआईआर दर्ज की गई। इससे साफ है कि डायल-112 केवल पुलिस को सूचना देने का माध्यम नहीं रह गया है।

400 कॉल निकलीं फर्जी या गलत

जहां एक तरफ डायल-112 की मदद से पुलिस को अपराध की सूचना समय पर मिल रही है, वहीं करीब 400 कॉल फर्जी या गलत सूचना भी पाई गई। ऐसी कॉल पुलिस के संसाधनों और समय दोनों को प्रभावित करती हैं। किसी स्थान पर पुलिस टीम के पहुंचने तक अगर

गलत सूचना से बचना भी जरूरी

डायल-112 आम नागरिक के लिए तत्काल पुलिस सहायता का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में जरूरत के समय बिना हिंसा के इसका इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन फर्जी कॉल या गलत सूचना देने से बचना भी उतना ही जरूरी है। पुलिस का कहना है कि वास्तविक घटना होने पर तुरंत सूचना देने से पुलिस को समय पर मौके पर पहुंचने और आवश्यक कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

मौके पर पहुंचना बना पुलिस की पहली कड़ी

आंकड़ों में सबसे बड़ा आंकड़ा 9700 मामलों में पुलिस के मौके पर पहुंचने का है। इसका मतलब है कि डायल-112 से मिलने वाली सूचनाओं पर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था लगातार सक्रिय रही। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल की स्थिति देखी, संबंधित लोगों से जानकारी ली और जरूरत के अनुसार आरोपी या संदिग्ध की तलाश शुरू की। कई मामलों में घटनास्थल से मिली शुरुआती जानकारी ही पुलिस की जांच की दिशा तय करती है।

कॉल से शुरू होती है जांच

पुलिस के लिए डायल-112 की कॉल अक्सर किसी मामले की पहली सूचना होती है। इसके बाद मौके पर पहुंचने वाली टीम घटनास्थल और शिकायतकर्ता से मिली जानकारी के आधार पर संबंधित थाना पुलिस को सूचित करती है। आगे जांच, बयान, साक्ष्य जुटाने और एफआईआर की प्रक्रिया शुरू होती है।

भराण में मकान से 2 बाइक चोरी, महम थाने में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज►►महम

महम थाना क्षेत्र के गांव भराण में एक मकान से दो मोटर साइकिल चोरी हो गए। इस संबंध में मकान मालिक ने महम थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दो शिकायत में भराण गांव निवासी कुलदीप पुत्र चांद ने बताया कि वह किसी कारण से अपने मकान को ताला लगाकर दो तीन महीने पहले अपने मामा के यहां भिवानी जिले के मानहेरू गांव चला गया था। उसके घर में उसका एक प्लेटिना मोटरसाइकिल खड़ा था और दूसरा

मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स था। वह अच्छी मकान को ताला लगाकर अपने मामा के गांव गया था। आज वह घर पहुंचा तो उसने देखा कि दोनों मोटरसाइकिल चोरी हो गई। आस पड़ोस में पूछताछ की तो वहां से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने कहा है कि उसके दोनों मोटरसाइकिल बरामद किए जाएं और चोरी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

परेशान व्यक्ति की बात सुनना भी आत्महत्या रोकने में मददगार : विशेषज्ञ



रोहतक। परेशान व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय उसकी बात ध्यान से सुनना, संवेदनशीलता से संवाद करना और जरूरत पड़ने पर समय पर मदद उपलब्ध करना आत्महत्या रोकने में अहम भूमिका निभा सकता है। यह बात पीजीआईएमएस, रोहतक के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सिद्धार्थ आर्य ने एमडीयू के मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित 'छोटा कदम, बड़ा बदलाव' कार्यशाला में कही। कार्यशाला में करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. सिद्धार्थ आर्य ने आत्महत्या के पीछे जिम्मेदार विभिन्न कारकों, चेतावनियां संकेतों और संकेत में घिरे व्यक्ति को मदद करने के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने आत्महत्या से जुड़े प्रचलित मिथकों और झूठियों को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि संकेत की स्थिति में व्यक्ति को अकेला न छोड़ना और संवेदनशील रहेया अपना जरूरी है। दूसरे सत्र में जीजेयू हिसार के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार ने गंभीर और आत्महत्या के बीच संबंध तथा प्रभावी संवाद की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आत्महत्या रोकथाम केवल विशेषज्ञों की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, दोस्त और समाज भी संवेदनशील व्यवहार के जरिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बिना किसी निर्णय के किसी की बात सुनना और जरूरत पड़ने पर मदद के लिए आगे आना प्रभावी कदम हो सकता है।

बाबरा मोहल्ला निवासी युवक पर हमले का छठा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज►►रोहतक

बाबरा मोहल्ला निवासी अनुज पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने छठे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पहचान गांव लाहली निवासी निखिल पुत्र जयसिंह के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि 30 मई को अनुज की शिकायत पर थाना शिवाजी कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार अनुज अपने दोस्त गोबिंद के साथ भिवानी रोड स्थित लाल नाथ हिंदू कॉलेज के पास खुशबू गार्डन गया हुआ था। दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों कॉलेज की कैटीन में बैठे थे। इसी दौरान सुंदरपुर निवासी रवि शंकर, अमित, वंश और अन्य 8-9 युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि युवकों ने अनुज पर तेजधार लोहे के फरसे और लकड़ी के बिट्टों से जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया। हमले में अनुज घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक जयप्रकाश द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान 10 सितंबर को निखिल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मामले में शामिल पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। मामला थाना शिवाजी कॉलोनी में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

ऑफिस नं. : 9253681019-20,

फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती

मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है

आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थायी संस्करण के	₹. 2000/-
10X 8 से.मी	अन्यर के पृष्ठ पर	₹. 3500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केंद्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9998959400

मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

डॉ. सिंघल के तेवर तल्लू: न्यू ओपीडी और ट्रॉमा सेंटर का किया निरीक्षण-बोले मरीजों को समय पर दें उपचार, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज►►रोहतक

पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने गुरुवार सुबह ओपीडी और ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान वह कड़े तेवर में नजर आए। उन्होंने चिकित्सकों सहित अन्य अधिकारियों को दो दृढ़ शब्दों में कहा कि मरीजों के उपचार सम्बंधित लापरवाही की गई तो किसी को बख्शेंगे नहीं, सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा दवाइयों की कोई कमी नहीं होगी। मरीजों को समय पर पूरा उपचार मिलना चाहिए। ब्लड टेस्ट से सम्बंधित कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। साथ ही संस्थान में साफ सफाई के लिए व्यापक तौर पर अभियान चलाया जाए। उन्होंने अलग अलग ओपीडी का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। उनके साथ चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल,

सुरक्षा, सनिटेशन, एस्टेट, नर्सिंग अधीक्षक, पीडब्ल्यूडी, पब्लिक हेल्थ और इलेक्ट्रिकल सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अपनी टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे निदेशक डॉ.एस के सिंघल ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, इंफ्रास्ट्रक्चर, मरीज सेवाओं और अनुशासन का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पीजीआईएमएस में आने वाला हर मरीज वीआईपी है और उसे बेहतर से बेहतर सुविधा मिलनी चाहिए। ओपीडी ब्लॉक के निरीक्षण के दौरान निदेशक डॉ. सिंघल ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। उन्होंने सभी स्टाफ के लिए निर्धारित ड्रेस कोड और आईडी कार्ड को अनिवार्य करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को स्टाफ की पहचान करने में आसानी हो। ओपीडी की स्वच्छता को लेकर उन्होंने विशेष जोर दिया।



रोहतक। अस्पताल परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे निदेशक डॉ. एसके सिंघल।

एक्सरे के लिए टोकन नंबर सिस्टम को और अधिक पारदर्शी बनाया जाए

मरीजों की सुविधा के लिए ओपीडी कार्ड पर एक्सरे के लिए टोकन नंबर सिस्टम को और अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि मरीज अपने नंबर के अनुसार ही डॉक्टर से मिल सकें। फार्मसी काउंटरों पर बड़े अक्षरों में नंबर लिखे जाएंगे। इसके साथ ही ओपीडी के बाहर स्थित स्ट्रक्चर को पेशेंट वीवांस रिड्रेसल सेल के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि मरीजों की शिकायतों का तुरंत समाधान हो सके। ओपीडी के कोरिडोर को सुंदर बनाने के लिए बड़े नमले भी लगाए जाएंगे।

धूम्रपान पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहे

अस्पताल परिसर में धूम्रपान पर पूर्ण प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए सुरक्षा विभाग को निर्धारित जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। ट्रॉमा सेंटर के राउंड के दौरान निदेशक ने डॉक्टरों के राउंड के समय भीड़ को नियंत्रित करने और एक मरीज के साथ केवल एक ही अटेंडेंट को अनुमति देने के निर्देश दिए, ताकि गंभीर मरीजों का इलाज बाधित न हो। उन्होंने जीडीएमओ के ड्यूटी रोस्टर को और अधिक व्यवस्थित करने और फोरेंसिक मेडिसिन के पीजी रेजिडेंट को ड्यूटी लगाकर मेडिको-लीगल कार्यों में सहयोग देने का निर्णय लिया।

शाम को भी होगी एमआरआई

मरीजों की सुविधा को देखते हुए एमआरआई की टाइमिंग को शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक बढ़ाने की प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। इससे जांच के लिए मरीजों का इंतजार कम होगा। इमरजेंसी दवाओं और कंज्यूमेबल्स की निर्बाध आपूर्ति के लिए फास्ट-ट्रैक खरीद प्रणाली बनाने के भी निर्देश दिए गए। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सुधारात्मक कार्य तुरंत शुरू किए जाएं और 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।